नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

आरबीआई की मौद्रिक नीति

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने 2026 की पहली महत्वपूर्ण बैठक में जिस संयम और संतुलन का परिचय दिया है, वह मौजूदा वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए बेहद अहम है. रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला न तो कोई बड़ा चौंकाने वाला कदम है और न ही निष्क्रियता का संकेत. यह दरअसल, आरबीआई के उस 'न्यूट्रल रुख' की अभिव्यक्ति है, जिसमें न जल्दबाजी है, न अनावश्यक सख्ती. दिसंबर 2025 में ब्याज दरों में कटौती के बाद बाजार और उद्योग जगत पहले से ही यह मानकर चल रहे थे कि इस बार केंद्रीय बैंक 'पॉज' मोड में जाएगा. ऐसा करके आरबीआई ने यह स्पष्ट कर दिया है कि फिलहाल अर्थव्यवस्था को न अतिरिक्त प्रोत्साहन की जरूरत है, न ब्रेक लगाने की. यही न्यूट्रल नीति का मूल भाव है.

इस नीति का पहला और सीधा असर आम कर्जदार पर पड़ता है. रेपो रेट स्थिर रहने का मतलब है कि होम लोन, ऑटो लोन और पर्सनल लोन की ईएमआई फिलहाल जस की तस रहेगी. मध्यम वर्ग के लिए यह बड़ी राहत है, खासकर ऐसे समय में जब उपभोक्ता खर्च धीरे धीरे पटरी पर लौट रहा है. ब्याज दरों में अनिश्चितता न होना उपभोक्ता विश्वास को मजबूत करता है और खर्च करने का मनोबल बढ़ाता है.

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है आर्थिक विकास. आरबीआई ने मौजूदा वित्तीय वर्ष के लिए के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया है, जो यह संकेत देता है कि घरेलू मांग, सरकारी पूंजीगत व्यय और निजी निवेश तीनों मिलकर अर्थव्यवस्था को गति दे रहे हैं. 5.25 प्रतिशत की रेपो रेट निवेश के लिहाज से अभी भी अनुकूल है. उद्योगों को विस्तार के लिए अपेक्षाकृत सस्ता कर्ज मिलता रहेगा, जिससे रोजगार सृजन और उत्पादन दोनों को बल मिलेगा. महंगाई के मोर्चे पर आरबीआई का आत्मविश्वास खास तौर पर उल्लेखनीय है. 2.1 प्रतिशत की अनुमानित महंगाई दर न केवल लक्ष्य के भीतर है, बल्कि यह बताती है कि सप्लाई चेन, खाद्य कीमतों और वैश्विक दबावों पर फिलहाल नियंत्रण बना हुआ है. आरबीआई को यह लचीलापन देता है कि भविष्य में यदि महंगाई सिर उठाती है तो वह दरें बढ़ा सके, और यदि विकास को सहारे की जरूरत पड़े तो कटौती का विकल्प भी खुला रहे.

शेयर बाजार और निवेशकों के लिए भी यह नीति सुकून भरी है. स्थिर ब्याज दरें अनिश्चितता को कम करती हैं. बैंकिंग, रियल एस्टेट और ऑटो जैसे ब्याज संवेदनशील सेक्टरों के लिए यह माहौल अनुकूल माना जा रहा है. निवेशक जानते हैं कि फिलहाल नीति में कोई झटका नहीं आने वाला, जिससे दीर्घकालिक निवेश को बल मिलता है. वहीं बचतकर्ताओं के नजरिए से देखें तो फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरें भले ही न बढ़ें, लेकिन कम महंगाई के कारण वास्तविक रिटर्न बेहतर स्थिति में है. यानी आपकी बचत की क्रय शक्ति सुरक्षित है, जो किसी भी स्थिर अर्थव्यवस्था की पहचान होती है.

कुल मिलाकर, आरबीआई की यह मौद्रिक नीति 'सतर्क आशावाद' का प्रतिबिंब है. यह संदेश साफ है कि भारतीय अर्थव्यवस्था न तो दबाव में है, न ही आत्ममुग्ध. विकास और महंगाई के बीच संतुलन साधते हुए केंद्रीय बैंक ने यह भरोसा दिया है कि जरूरत पड़ने पर उसके पास हर विकल्प मौजूद है. यही एक परिपक्व और आत्मविश्वासी अर्थव्यवस्था का संकेत है.

डायरी मध्य क्षेत्र की

एमपी में लूट और हत्या जैसी घटनाएं कब रुकेंगी

दिलीप झा

मध्यप्रदेश में हत्या और लूट, अपहरण जैसी घटनाएं कब रुकेंगी. यह एक गंभीर सवाल है. कानून का राज स्थापित करना सरकार की अहम् जिम्मेदारी है क्योंकि इससे राज्य में शांति बनी रहती है। इन दिनों राज्य में असामाजिक तत्वों का तांडव अक्सर देखने को मिल रहा है। यह निर्विवाद रूप से सत्य है कि राजनीतिक हलकों से असामाजिक तत्वों को भड़काया जा रहा है। लेकिन इसके बावजूद सरकार और पुलिस प्रशासन के द्वारा यह नहीं कहा जा सकता कि इतने बड़े प्रदेश में छोटे छोटे अपराध होते रहते हैं।

अपराधियों के बेलगाम होने से कानून व्यवस्था पर सवाल जरूर उठाए जाएंगे क्योंकि नागरिकों की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। इसमें भी कोई दो राय नहीं है कि मध्यप्रदेश पुलिस अच्छा काम रही है लेकिन चुस्त और दुरुस्त नहीं है। अपने पुराने ढर्रे में बनी हुई है। बदलते दौर का अहसास उसे अभी भी नहीं है, यह चिंता का विषय है। सांप भागने के बाद लकीर पीटने वाली पुलिस की आदत में सुधार नहीं हुआ है। लूट और हत्या की वारदातों को अगर बेखौफ अंजाम दिया जा रहा है तो निश्चित रूप से यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि पुलिस अपने इकबाल को बुलंद नहीं रख पा रहा है। इसके पीछे पुलिस की राजनीतिकरण रवैया को लोग सबसे ज्यादा दोषी मान रहे हैं। दो दिन पहले रायसेन जिले में बंधक बनाकर लूट की घटना और सागर में एक नर्स की सरेआम गोली मारकर हत्या जैसी घटनाओं ने कानून व्यवस्था की लुंजपुंज रवैया पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

परिजनों ने एनएच पर लगाया जाम : तीन दिन पहले सागर जिले के शाहगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत 4 फरवरी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने स्टाफ नर्स की गोली मारकर हत्या जैसी घटना के बाद लोग पूछ रहे हैं कि हमारी पुलिस व्यवस्था क्या चरमरा गई है। आम आदमी की सुरक्षा करने में पुलिस विफल क्यों है। गुरुवार 5 फरवरी को हत्या के आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजनों और ग्रामवासियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग सागर छतरपुर पर जाम लगा दिया गया। हत्या का आरोपी मौसेरा भाई बताया गया है जो कि घटना के बाद से फरार है। पुलिस अभी तक नहीं पकड़ सकी है। बता दें कि बुधवार की रात में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहगढ़ की स्टाफ नर्स दीपशिखा की अज्ञात आरोपी ने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था। गुरुवार को परिजनों की मौजूदगी मे शव का पोस्टमार्टम कराया गया। जिसके बाद परिजनो ने शव सड़क पर रखकर ग्रामवासियों के साथ आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की गई। पुलिस के अनुसार हत्या का आरोपी मृतिका का मौसेरा भाई सुशील आठ्या है जो कि पूर्व में उसकी परेशान करने की शिकायत जबलपुर जिले के पनागर थाना क्षेत्र से है। हार तक कर मृतिका के परिजन शव लेकर पाटन जबलपुर रवाना हो गए। पुलिस का वहीं रवैया आरोपी की तलाश मे जुट गई है। पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच में ले लिया है। पुलिस प्रशासन की समझाईश पर जाम भी समाप्त कर दिया गया है। लेकिन पीड़ित को तत्काल क्या इंसाफ मिला।

एमडी ड्रग्स से युवा पीढ़ी को बचाए सरकार

मध्यप्रदेश में एमडी ड्रग्स का बहुत जबरदस्त खेल चल रहा है लेकिन इसे रोकने में हमारी सरकार अथवा पुलिस असमर्थ क्यों है, यह शोध का विषय बनता जा रहा है। हर दूसरे-तीसरे दिन एमडी ड्रग्स की खेप पकड़ी जा रही है और हमारा सिस्टम तमाशबीन है। तीन राज्यों से होती हुई संदिग्ध केमिकल की खेप राजगढ़ जिले के गोघटपुर पहुंच गई। सुराग के आधार पर 4 फरवरी की आधी रात को राजस्थान की पुलिस ने राजगढ़ पुलिस के साथ मिलकर दबिश दी तो हैरान करने वाली जानकारी मिली। पुलिस को गोघटपुर में घर के अंदर निर्माण से लेकर पैकिंग तक का पूरा सिस्टम मिला। पुलिस ने पांच तस्कर को गिरफ्तार कर यह खुलासा किया है कि मध्यप्रदेश के मालवा क्षेत्र समेत कई जिलों में युवाओं को एमडी ड्रग्स सप्लाई होती थी। सबसे हैरानी की बात यह है कि राजगढ़ पुलिस को इसकी जानकारी नहीं थी। यह पुलिस प्रशासन पर बड़ा सवाल है।

भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौता

मुक्त और निष्पक्ष व्यापार के प्रति प्रतिबद्धता

श्री राजेश अग्रवाल

> भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता विस्तारित बाजार पहुंच, नजदीकी आर्थिक एकीकरण और विशेष रूप से अनिश्चित और अस्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में रणनीतिक स्वायत्तता और सुदृढ़ता प्राप्त करने में एक बड़ा कदम है. जैसा कि आर्थिक इतिहासकार उल्लेख करते हैं, आर्थिक समृद्धि सबसे अच्छे तरीके से तब प्राप्त की जा सकती है जब राष्ट्र न्यायपूर्ण, नियम-आधारित और पूर्व अनुमान योग्य कानूनी रूपरेखा और संस्थानों के आधार पर व्यापार करते हैं. भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता समय पर खरे उतरे इस सिद्धांत को बनाए रखने का प्रयास करता है.

भारत का यूरोप के साथ 250 ईसा पूर्व से एक समृद्ध व्यापारिक संबंध रहा है, जो सिल्क रोड से भी पहले की अवधि है. अगले 2000 वर्षों के अधिकांश हिस्से के दौरान, भारतीय मसलिन, कपास, हस्तशिल्प, मसाले, पन्ना और रत्न अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की सबसे पसंदीदा वस्तुओं में शुमार होते थे, जिनमें से अधिकांश यूरोप तक पहुँचती थीं. इन शानदार वस्तुओं के भुगतान के तौर पर भारत को सोना और चांदी मिलते थे. अपने सुनहरे दिनों में, भारत-यूरोप व्यापार ने मात्रा और पैमाने की दृष्टि से अभूतपूर्व
वृद्धि हासिल की.

एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते के माध्यम से इस संबंध को सुदृढ़ करने के प्रयास 2007 में शुरू हुए थे. गंभीर मतभेदों के कारण 2013 में बातचीत को रोकना पड़ा, क्योंकि कई मुद्दों पर दोनों पक्षों के विचार अलग थे. 2022 में बातचीत फिर से शुरू हुई और चुनौतियों की जटिलता के बावजूद इसे केवल दोनों राजनेताओं की मजबूत प्रतिबद्धता और दूरदर्शी नेतृत्व के कारण अंतिम रूप दिया जा सका. महत्वपूर्ण बात यह है कि जिस व्यापार समझौते को दोनों पक्षों ने बातचीत के माध्यम से पूरा किया है, वह अस्थिर वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में नियम-आधारित व्यापार संबंध की पुष्टि करता है. यह समझौता ऐतिहासिक है सिर्फ इसलिए नहीं कि इसमें शामिल विषय और क्षेत्र व्यापक हैं; समझौता ऐतिहासिक इसलिए भी है क्योंकि दोनों पक्षों को ऐसे मुद्दों पर साझा रुख अपनाना पड़ा, जो कठिन और जटिल थे.

सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौता: भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता शायद हाल के समय में किया गया सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौता है. यह दुनिया के सबसे बड़े मुक्त व्यापार क्षेत्रों में से एक का निर्माण कर सकता है, जिसमें लगभग 2 अरब लोग और 28 देश शामिल होंगे और जो वैश्विक जीडीपी का 25 प्रतिशत है. इसके अलावा, यह समझौता मुद्दों और चिंताओं के समाधान के सन्दर्भ में आधुनिक और नवीन है. इस समझौते में व्यापार संबंध को प्रगाढ़ करने के लिए अद्यतन और मूल विषयों के साथ-साथ प्रक्रिया-संबंधी प्रावधान भी हैं. यह समझौता वस्तु और सेवा; दोनों के लिए बाजार पहुंच और नियामक बाधाओं के समाधान के लिए एक नया मॉडल स्थापित करता है, जो पारंपरिक विषयों को नवाचार-तत्वों के साथ सुदृढ़ करता है. उदाहरण के लिए, उत्पत्ति के नियमों का अध्याय सुनिश्चित करता है कि केवल वही उत्पाद जिनका पर्याप्त प्रसंस्करण या उत्पादन साझेदार देशों में हुआ है, उन्हें मूल देश का प्रमाण दिया जाएगा; इसे विस्तृत और जटिल उत्पाद-विशिष्ट नियमों के माध्यम से हासिल किया गया है, जो मौजूदा और नयी आपूर्ति श्रृंखलाओं के अनुरूप हैं. इसके अलावा, यह समझौता बौद्धिक संपदा संरक्षण को पुनर्स्थापित करता है और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व सूचना प्रवाह को बढ़ावा देने पर अतिरिक्त ध्यान केंद्रित करता है.

वस्तु और सेवाओं के लिए बाजार खोलना: समझौते का मुख्य ध्यान दोनों पक्षों के विशाल और व्यापक बाजारों को एक-दूसरे के लिए खोलना है. यह समझौता भारत के निर्यात व्यापार मूल्य के 99 प्रतिशत से अधिक के लिए बाजार पहुँच प्रदान करता है, जिसमें कम से कम 90 प्रतिशत भारतीय निर्यात को समझौते के लागू होने पर तुरंत निःशुल्क प्रवेश की सुविधा मिलेगी. विशेष रूप से, श्रम-सघन वस्तुएँ जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा, रत्न और आभूषण, लकड़ी और लकड़ी की शिल्पकला और समुद्री उत्पादों को जल्दी लाभ मिलेगा. यह रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि-प्रसंस्करण उद्योग और खनिज जैसे उद्योगों को भी जीवंत ईयू सामान्य बाजार में अपने निर्यात को विविधता देने में सक्षम करेगा. हालांकि, भारत ने ईयू वाहन के लिए बाजार पहुँच की अनुमति दी है, लेकिन इसे चरणबद्ध और सन्तुलित तरीके से टैरिफ कोटा के माध्यम से अंतिम रूप दिया गया है. इसी तरह, यूरोपीय संघ की शराब पर भारत की छूट घरेलू उद्योग के हितों की रक्षा करने के साथ-साथ उच्च मूल्य वर्ग में प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती है.

सेवाओं के व्यापार के लिए भारत-ईयू व्यापार संबंध में महत्वपूर्ण संभावनाएँ हैं. इस समझौते के तहत भारत ने 144 सेवा क्षेत्रों में ईयू की प्रतिबद्धताएँ प्राप्त की हैं, जो कि अभूतपूर्व है. इसके अलावा, गतिशीलता पर अध्याय यह सुनिश्चित करता है कि पेशेवरों और संविदा सेवा प्रदाताओं का अस्थायी प्रवेश और निवास सरल और भरोसेमंद होगा, जिसका अर्थ है कि भारत के प्रतिभाशाली सेवा पेशेवर ईयू बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कर सकते हैं.

(लेखक वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के सचिव हैं.)

वकील के रूप में ममता की दलील

ममता बनर्जी संभवत : पहली मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने वकील के रूप में सुप्रीम कोर्ट में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ तर्कपूर्ण मुद्दों के साथ जिरह की. यह कोई ड्रामा नहीं था क्योंकि ममता स्वयं विधि स्नातक या लॉ ग्रेजुएट हैं और उनकी दलील है कि एसआईआर की वजह से उनके राज्य बंगाल के साथ भारी अन्याय हो रहा है. यदि किसी लड़की की शादी के बाद उसको अपना सरनेम बदलकर पति का सरनेम लगाना पड़ता है, तो इस बदलाव के कारण मतदाता सूची से उसका नाम हटा दिया जाता है. इसके अलावा बंगाली सरनेम या उपनाम ब्रिटिश शासन के दौरान संक्षिप्त हुए हैं जैसे कि बंदोपाध्याय, मुखोपाध्याय, चट्टोपाध्याय को क्रमशः बनर्जी, मुखर्जी और चटर्जी कहा जाने लगा. इसलिए पूर्वजों और अगली पीढ़ी के सरनेम में बदलाव आ गया. ठाकुर को टैगोर लिखा जाने लगा. यदि एसआईआर का काम करने वाले बीएलओ को व्यक्ति का सरनेम उसके पिता या दादा से अलग नजर आया तो उसका नाम वोटर लिस्ट से काट देगा. इसके अलावा बांग्ला में उच्चारण भी अलग है. भट्टाचार्य को वहां भट्टाचार्जी तथा बंदोपाध्याय को बोंदोपाध्याय कहेंगे. यह वैसा ही है जैसे रसगुल्ला को बंगाली रोशोगुल्ला कहते हैं. बांग्ला में 'व' अक्षर नहीं है वह 'ब' बन जाता है. वहां नवीन को नबीन पुकारेंगे. सुप्रीम कोर्ट ने आश्वस्त किया कि वह स्पेलिंग की वजह से होने वाले विवाद को हल करेगा. ममता बनर्जी ने वकील के रूप में कहा कि न्याय बंद दरवाजों के पीछे रो रहा है. मुझे 5 मिनट बोलने का समय दीजिए. हम समस्या का समाधान चाहते हैं और अपने दायित्व से पीछे नहीं हटेंगे. मुख्य चुनाव आयुक्त को 6 बार लिखा गया लेकिन एक जवाब भी नहीं मिला. इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि हम आपको 15 मिनट देंगे. आपके पास देश के सबसे वरिष्ठ वकील मौजूद हैं. आपने जो समस्याएं उठाई हैं वे रिकार्ड पर हैं.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

शरद पवार के पुराने हुए दांव-पेंच देवाभाऊ की राजनीति काफी तेज

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, महाराष्ट्र के दिग्गज नेता कहलाने वाले शरद पवार के दांव-पेंच पुराने हो गए. एक समय था जब उनकी कूटनीतिक चाल लाजवाब मानी जाती थी. कोई अनुमान नहीं लगा पाता था कि उनका अगला कदम क्या होगा! अपने राज्य से लेकर दिल्ली तक उनकी धाक थी. आपको याद होगा कि बारामती के एक समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि राजनीति में शरद पवार मेरे गुरु रहे हैं. वसंतदादा पाटिल की सरकार गिराकर पवार सिर्फ 38 वर्ष की उम्र में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने थे. विदेशी मूल के मुद्दे पर सोनिया गांधी को चुनौती देकर अलग पार्टी बनाने का दमखम भी उन्होंने दिखाया था.'

हमने कहा, 'इतिहास छोड़िए, वर्तमान को देखिए. जंगल का शेर भी दांत गिर जाने और नाखून घिस जाने के बाद पहले के समान बलशाली नहीं रह जाता. आज राजनीति में कदम-कदम पर देवेंद्र फडणवीस सीनियर पवार को मात दे रहे हैं. उनके पैरों के नीचे से कालीन खींच लेते हैं और पवार देखते रह जाते हैं. इस समय राजनीति के असली चाणक्य देवाभाऊ हैं जिनकी रैपिड फायर वाली चाल हर वक्त कामयाब हो जाती है. पहले तो ऑपरेशन लोटस के तहत बीजेपी ने अजीत पवार को उनके चाचा से अलग कर एनसीपी को विभाजित करवा दिया था. इसके भी पहले 48 घंटे की सरकार का प्रयोग देवेंद्र फडणवीस ने किया था. अभी शरद पवार की कुल जमापूंजी केवल 10 विधायकों की रह गई है.'

पड़ोसी ने कहा, 'सबसे बड़ा कूटनीतिक पराक्रम तो देवाभाऊ ने यह दिखाया कि एनसीपी के एकीकरण या विलय के गुब्बारे में अपने तरीके से पिन टोंच दी जिससे वह फूल ही नहीं पाया. अजीत पवार के विमान दुर्घटना में निधन के बाद शरद पवार को संभलने का मौका न देते हुए तुरंत सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलवा दी. अब अजीत की विरासत संभालते हुए पार्टी प्रमुख भी सुनेत्राताई ही रहेंगी. शरद पवार की हालत खाली या चुके हुए कारतूस जैसी हो गई है. देवेंद्र अपनी चाल बड़ी तत्परता से चलते हैं. पहले शिवसेना और फिर एनसीपी को तोड़ना तथा बीजेपी को महाराष्ट्र की भारी जबरदस्त पार्टी बनाने का कमाल देवाभाऊ ने दिखाया है. ऐसे में शरद पवार कर भी क्या सकते हैं!'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12164

- डॉ. सागर खादीवाला

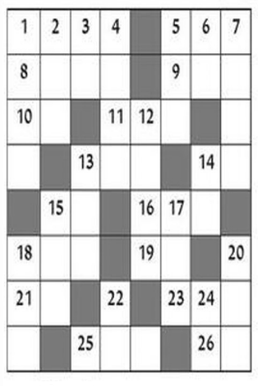

बाएं से दाएं

1.संगीत में सात स्वरों के उतार-चढ़ाव का क्रम, स्वरग्राम 5. एक कल्पित पत्थर जिसके लोहा छुआने से सोना बन जाता है 8. व्यायाम, बहुलता (उर्दू) 9. चिपकाना, चपकना 10. पांव, पैर 11. तोप, बंदूक आदि का छोड़ना 13. आग, अग्नि (सं.) 14. शालि जिसमें से चावल निकलता है 15. चेतना, होश, व्याकरण में वह विकारी शब्द जो किसी कल्पित या वास्तविक वस्तु का बोधक होता है (सं.) 16. बादल, मेघ 18. मंच, चार लट्ठों पर बांधकर बनाया गया ऊंचा स्थान 19. प्यारा या दुलारा लड़का 21. चोट, आघात, हमला, सप्ताह का दिन 23. हिलोर, तरंग 25. असत्य, अशुद्ध (उर्दू) 26. समूह, लोगों का गुट, फूल की पंखुड़ी

ऊपर से नीचे

1. घबराहट, हिचक 2. सेना के लिए खाद्य सामग्री, राशन (उर्दू) 3. बनाने वाला, अगर (उर्दू) 4. निर्वाचन में प्रतिनिधि चुनने के लिए मत देने की क्रिया या भाव 5. भरण-पोषण करना, हिंडोला 6. स्वाद, फलों आदि का निचोड़ा हुआ अंश 7. अनादि काल, बहुत दिनों से चली आई परंपरा, शाश्वत 12. कोलाहल, गड़बड़ी 13. ज्ञान या बोध न होने का भाव 14. प्रवाह, दफा 15. गमन, चलना, एक स्थान से दूसरे स्थान को आने-जाने के साधन (कम्युनिकेशन) 17. पारिश्रमिक लेकर खरीदने-बेचने में सहायता देने वाला, मध्यस्थ (उर्दू) 18. पीब, सामग्री (उर्दू) 20. निष्कपट, सीधा-सादा, सुगम 22. भूमि जोतने का उपकरण 24. सीमा, मर्यादा (उर्दू)

Solution 12163

मे	धा	पा	ट	क	र	■	च
दि	न	क	र	■	सा	द	र
नी	■	क	ट	ह	ल	■	म
■	दु	ला	रा	■	■	ता	रा
मा	रा	■	ना	■	व	ज	ह
र	च	ना	■	सू	द	■	ट
क	र	■	पु	र	न	म	■
■	ण	■	र	मा	■	हा	ला

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष क प्रारंभ में नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यो में संलग्नता रहेगी, व्यवसाय में वृद्धि होगी, आर्थिक लाभ होगा, उतावलेपन में लिये गये निर्णय हानिकारक रहेंगे, आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें, मित्र के सहयोग से उदासीनता दूर होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को आर्थिक लाभ का योग है, व्यवसाय में वृद्धि होगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों की सामाजिक कार्यो में संलग्नता रहेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को उतावलेपन पर लिया गया निर्णय हानिकारक रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों के लिये व्यक्तित्व में विकास होगा, आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, अपने कार्यों के प्रति सजग रहने वाला परोपकारी तथा दयालु स्वभाव का होगा. शिक्षा उत्तम रहेगी. नौकरी में अच्छी सफलता प्राप्त करेगा. माता पिता को सुखी रखेगा.

मेष- देखरेख के अभाव में कोई अच्छी योजना हाथ से निकल सकती है. धैर्य से काम लेना लाभकारी है. व्यर्थ की चिंता दूर होगी. महिला की सलाह लाभदायक रहेगी.

वृषभ- युवाओं को बेहतर अवसर प्राप्त होंगे. मन की अभिलाषा पूरी होगी. पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति होगी. कुटुम्बियों से सहयोग मिलेगा. मित्र मिलन का योग है.

मिथुन- देनदारी के चलते आपसी विवाद बढ़ेगा. नजदीकी लोगों के कारण परेशानी होगी. कार्यों में अच्छी सफलता प्रापत होगी. भाई के साथ संबंधों में मधुरता रहेगी.

कर्क- आप अपनी बात मनवाने का भरपूर प्रयास करेंगे. भूमि संपत्ति वाहन आदि का प्रयोग करते समय सावधानी रखें. कोर्ट के कार्यों में आपके पक्ष में निर्णय होंगे.

सिंह- आपके करीबी लोग आपको मजधार में छोड़ देगें. प्रेम संबंधी मामलों में प्रगाढ़ता आयेगी. शिक्षा से संबंधित कामकाज में परिश्रम अधिक करना होगा.

कन्या- भावनाओं पर काबू रखकर व्यवहारिक निर्णय करें. अविवाहित वैवाहिक बंधन में बंध सकते हैं. प्रियजनों के कारण भावनात्मक कष्ट होगा.

तुला- जोखिम के कार्यों से दूर रहें. चापलूस लोगों के कारण परेशानी होगी. पारिवारिक सुखों की प्राप्ति हागी. कामकाज में मानसिक रूप से व्यस्त रहना होगा.

वृश्चिक- बच्चों के केरिअर और पढ़ाई की चिंता रहेगी. शांति से अच्छे समय का इंतजार करें. कामकाज के प्रति मन में उदासीनता रहेगी.

धनु- समय की मांग के अनुसार काम में बदलाव करना पड़ सकता है. संतान पक्ष से सहयोग रहेगा. आपके मनोनुकूल कार्यक्रम बनने का योग है.

मकर- प्रतियोगी परीक्षा को लेकर चिंता रहेगी. पारिवारिक समस्या के समाधान के अवसर बढ़ेंगे. उत्तरदायित्वों की पूर्ति होगी. स्थान परिवर्तन की संभावना है.

कुम्भ- आपको अधिकारी की कटौती का मलाल रहेगा. मित्रों की सलाह पर विचार करें. नवीन योजनाओं का विस्तार होगा. प्रगतिवर्धक समाचार मिलेंगे.

मीन- सुविधा के सामान पर खर्च अधिक होगा. कामकाज में शिथिलता रहेगी. अरूचि का अनुभव होगा. अतिथि आगमन का योग है. व्यय पर नियंत्रण रखें.

उदयकालीन ग्रह चाल

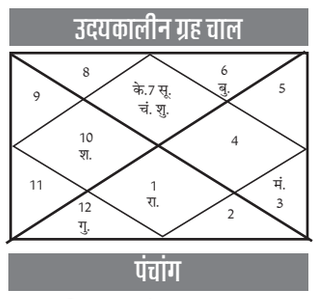

पंचांग

रा.मि. 18 संवत् 2082 फाल्गुन कृष्ण षष्ठी शनिवासरे रात 3/39, चित्रा नक्षत्रे रात 3/25, शूल योगे रात 12/52, गर करणे सू.उ. 6/30, सू.अ. 5/30, चन्द्रचार कन्या दिन 2/33 से तुला, शु.रा. 6,8,9,12,1,4 अ.रा. 7,10,11,2,3,5 शुभांक- 8,0,5.

व्यापार भविष्य

फाल्गुन कृष्ण षष्ठी को चित्रा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीतल, लोहा और शेयर, बिनौला, जीरा, धनियां, लालमिर्च, हल्दी, मैथी के भाव में तेजी का रूख रहेगा. गुड, खांड में नरमी की चाल चलेगी. भाग्यांक 3715 है.

SUDOKU 7296

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7295

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7